भारत सरकार

जल शक्ति मंत्रालय

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 3440

जिसका उत्तर 20 मार्च, 2025 को दिया जाना है।

.....

यमुना नदी की सफाई

3440. श्री कल्याण बनर्जी:

क्या **जल शक्ति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) यमुना नदी की, विशेषकर राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में सफाई और अन्य समस्योओं के समाधान के लिए की गई/की जाने वाली कार्रवाई का ब्यौरा क्या है; और

(ख) यमुना नदी के पुनरुद्धार और सफाई के लिए नदी तल से मलबे और भारी धातुओं को हटाने के लिए नियंत्रित ड्रेजिंग हेतु 'दिल्ली में नदी तल प्रबंधन' जल संसाधन संबंधी स्थायी समिति की रिपोर्ट में की गई सिफारिशों के कार्यान्वयन की स्थिति क्या है?

उत्तर

जल शक्ति राज्य मंत्री श्री राज भूषण चौधरी

(क): भारत सरकार (जीओआई) ने गंगा और उसकी सहायक नदियों (यमुना सहित) के पुनरुद्धार के लिए 2014-15 में मार्च 2021 तक पांच साल के लिए नमामि गंगे कार्यक्रम (एनजीपी) शुरू किया और इसे आगे बढ़ाकर मार्च 2026 कर दिया गया है। एनजीपी के तहत 5,911 करोड़ रुपये की लागत से 2,130 मिलियन लीटर प्रतिदिन (एमएलडी) सीवरेज उपचार क्षमता के निर्माण के लिए 33 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। परियोजनाओं की सूची **अनुलग्नक** में संलग्न है।

इसके अलावा, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) द्वारा नियमित रूप से नदी जल गुणवत्ता मापदंड और सीवेज उपचार संयंत्र (एसटीपी) निरीक्षण की निगरानी की जाती है, और दिल्ली में स्थापित सीवेज उपचार संयंत्र (एसटीपी) की गैर-अनुपालन स्थिति के संबंध में जल (प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण) अधिनियम, 1974 की धारा 18 (1) (ख) के तहत दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति को दिनांक 12.11.2024 को निर्देश भी जारी किए गए हैं।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार निम्नलिखित सीवेज अवसंरचना संवर्धन परियोजनाओं पर काम कर रही है: -

क. कोंडली फेज II, रिठाला फेज I और यमुना विहार फेज II में मौजूदा 3 एसटीपी का पुनरूद्धार कार्य;

ख. मौजूदा एसटीपी का उन्नयन और क्षमता में वृद्धि;

ग. सोनिया विहार में नए एसटीपी का वि-निर्माण;

घ. इंटरसेप्टर सीवर परियोजनाएँ।

दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) के सभी प्रचालनरत एसटीपी की निगरानी हर महीने डीपीसीसी द्वारा की जा रही है और इसकी विश्लेषण रिपोर्ट दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) की वेबसाइट पर उपलब्ध है। डीपीसीसी नियमित आधार पर निर्धारित मानकों को पूरा करने के लिए डीजेबी के साथ पत्र-व्यवहार करता है।

दिल्ली जल बोर्ड ने उल्लिखित किया है प्रत्येक अनुबंध में उपचारित अपशिष्ट आदि के गारंटीकृत मापदंडों को पूरा न करने की स्थिति में दंड का प्रावधान है और समय-समय पर गैर-अनुपालन के लिए भुगतान रोक दिया जाता है/वसूली की जाती है। यदि एजेंसियां बार-बार पत्राचार के बाद भी उचित प्रतिक्रिया नहीं देती हैं तो डीजेबी निविदा से ब्लैकलिस्ट/निषेध करने का प्रावधान है। डीजेबी ने विभिन्न स्थलों पर चूक करने वाली फर्मों पर कार्रवाई की है।

(ख): नदी तल में नियंत्रित ड्रेजिंग का प्रबंधन, सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग, दिल्ली सरकार द्वारा किया जाता है। इस संबंध में, दिल्ली सरकार ने केंद्रीय जल एवं विद्युत अनुसंधान केंद्र (सीडब्ल्यूपीआरएस), पुणे की विशेषज्ञ सेवाएं ली हैं।

*****

अनुलग्नक

"यमुना नदी की सफाई" के संबंध में लोक सभा में दिनांक 20.03.2025 को दिए जाने वाले अतारांकित प्रश्न संख्या 3440 के भाग (क) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक।

<u>यमुना नदी के पुनरुद्धार के लिए नमामि गंगे कार्यक्रम के तहत स्वीकृत परियोजनाओं की सूची:</u>

क्र. सं.	परियोजना का नाम	उपचार क्षमता (एमएलडी)	स्वीकृत लागत (करोड़ रुपए में)	स्थिति
उत्तर प्रदेश				
1	वृंदावन में सीवरेज अवसंरचना का पुनरूद्धार और एसटीपी (4 एमएलडी) का विस्तार/उन्नयन	4	42.82	पूर्ण
2	मसानी में मथुरा सीवरेज योजना का पुनरूद्धार /नवीनीकरण	67.8	460.45	पूर्ण
3	आगरा में पुनरूद्धार कार्य के साथ इंटरसेप्शन एवं डायवर्जन	177.6	842.25	प्रगति में
4	इंटरसेप्शन एवं डायवर्सन तथा एसटीपी कार्य बागपत	14	77.36	पूर्ण
5	फिरोजाबाद में इंटरसेप्शन और डायवर्जन कार्य	0	51.08	पूर्ण
6	इटावा में इंटरसेप्शन और डायवर्जन कार्य	44.94	140.6	पूर्ण
7	मुजफ्फरनगर में इंटरसेप्शन और डायवर्जन कार्य	54.50	234.03	प्रगति में
8	बुढ़ाना में इंटरसेप्शन एवं डायवर्जन कार्य	10	48.76	पूर्ण
9	मथुरा औद्योगिक क्षेत्र, मथुरा में वस्त्र मुद्रण इकाइयों के लिए मौजूदा सीईटीपी के बुनियादी अवसंरचना का उन्नयन (6.25 एमएलडी)	6.25	13.87	पूर्ण
10	मथुरा में शेष नालों के लिए आई एंड डी तथा एसटीपी कार्य	60	292.56	प्रगति में
11	कैराना में इंटरसेप्शन और डायवर्जन कार्य	15	78.42	पूर्ण
12	छाता में आई एंड डी तथा एसटीपी कार्य	6	56.15	प्रगति में
13	कोसी में आई एंड डी तथा एसटीपी कार्य	12	66.59	प्रगति में
14	वृंदावन में आई एंड डी तथा एसटीपी कार्य	13	77.7	प्रगति में
15	हाथरस में आई एंड डी तथा एसटीपी कार्य	24	128.91	प्रगति में
16	सहारनपुर में आई एंड डी तथा एसटीपी कार्य	135	577.23	प्रगति में
17	बनत में आई एंड डी तथा एसटीपी कार्य	5	48.71	प्रगति में
18	बंतीखेड़ा और बाबरी में आई एंड डी तथा एसटीपी कार्य	5	55.47	प्रगति में
19	थानाभवन में आई एंड डी तथा एसटीपी कार्य	10	97.19	प्रगति में

20	शामली में आई एंड डी तथा एसटीपी कार्य	40	206.02	प्रगति में
21	देवबंद में आई एंड डी तथा एसटीपी कार्य	20	134.71	टेंडरिंग
दिल्ली				
1	ट्रंक सीवर नंबर 4 का पुनरूद्धार	0	87.43	पूर्ण
2	ट्रंक सीवर नंबर 5 का पुनरूद्धार	0	83.4	पूर्ण
3	कोंडली चरण-I एसटीपी (45 एमएलडी), चरण-II एसटीपी (114 एमएलडी) और चरण-III एसटीपी (45 एमएलडी) का पुनरूद्धार और उन्नयन	204	239.11	पूर्ण
4	राइजिंग मेन्स का पुनरूद्धार	0	59.13	पूर्ण
5	ट्रंक सीवर का पुनरूद्धार	0	43.92	पूर्ण
6	राइजिंग मेन का पुनरूद्धार	0	45.4	पूर्ण
7	चरण-I एसटीपी (182 एमएलडी) का पुनरूद्धार और उन्नयन	182	211.79	पूर्ण
8	564 एमएलडी (124 एमजीडी) अपशिष्ट जल उपचार संयंत्र (डब्ल्यूडब्ल्यूटीपी) का निर्माण	564	665.78	प्रगति में
9	दिल्ली के कोरोनेशन पिलर पर 318 एमएलडी (70 एमजीडी) का निर्माण	318	515.07	पूर्ण
हिमाचल प्रदेश				
1	पांवटा साहिब के जोन II और III के लिए सीवरेज योजना	3.16	11.57	पूर्ण
हरियाणा				
1	पानीपत में सीवरेज और सीवेज उपचार संयंत्र (एसटीपी)	90	129.51	पूर्ण
2	सोनीपत में सीवरेज और सीवेज उपचार संयंत्र (एसटीपी)	55	88.36	पूर्ण

*****